भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2028
दिनांक 02 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आईसीयू बेड और वेंटिलेटरों की कमी

+2028. श्री जी. सेल्वम:
श्री सी. एन. अन्नादुरई:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु सहित देश के सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध/संचालित आईसीयू बिस्तरों और वेंटिलेटरों की राज्य-वार कुल संख्या कितनी है;
(ख) क्या संपूर्ण देश के सरकारी अस्पतालों में आईसीयू बिस्तरों और वेंटिलेटरों की कमी है, यदि हां, तो राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार इसके क्या कारण हैं;
(ग) देश में वेंटिलेटरों और आईसीयू बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
(घ) यदि हां, तो उक्त प्रयोजनार्थ राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी धनराशि जारी की गई/सहायता प्रदान की गई है;
(ड़) देश में वेंटिलेटरों के विनिर्माण के लिए राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) अस्पतालों में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (च) जन स्वास्थ्य एवं अस्पताल राज्य का विषय है। केन्द्रीय स्तर पर ऐसे कोई आंकडे़ नहीं रखे जाते हैं।

कृ.प.उ

जहां तक केंद्र सरकार के अस्पतालों यानी सफदरजंग अस्पताल, डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और इससे संबद्ध अस्पतालों का संबंध है, इन अस्पतालों में उपलब्ध आईसीयू बेड और वेंटिलेटर की कुल संख्या अनुलग्नक में दी गई है। इसके अतिरिक्त, इन अस्पतालों की आवश्यकताओं के आधार पर आईसीयू बिस्तरों और वेंटिलेटरों की संख्या में वृद्धि करना एक सतत प्रक्रिया है। साथ ही, इन अस्पतालों में मानक उपचार प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार प्रदान किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके समग्र संसाधन सीमा के भीतर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के आधार पर उनकी स्वास्थ्य परिचर्या प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत सेवाओं की गुणवत्ता के लिए निम्न अनुसार कई कदम उठाए हैं:

एनक्यूएएस – वर्ष 2014 में, भारत की जन स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में परिचर्या की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से सीएचसी और पीएचसी के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक जारी किए गए थे

कायाकल्प - 'कायाकल्प' को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 15 मई 2015 को स्वच्छ भारत अभियान के विस्तार के रूप में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य ऐसे जन स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों को पहचानना और प्रोत्साहित करना है जो उच्च स्तर की साफ-सफाई, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण का प्रदर्शन करते हैं।

मेरा अस्पताल (माई हॉस्पिटल) पहल: सरकार की मेरा अस्पताल पहल रोगियों को एक सरल, बहुभाषी एप्लीकेशन के माध्यम से जन स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में अपने अनुभवों पर प्रतिक्रिया प्रदान करने का अधिकार देती है। यह लघु संदेश सेवा (एसएमएस), आउटबाउंड डायलिंग (ओबीडी), मोबाइल एप्लिकेशन और वेब पोर्टल सहित कई संचार चैनलों के माध्यम से काम करता है।

स्वच्छ स्वस्थ सर्वत्र (एसएसएस) पहल: 2016 में शुरू किया गया, एसएसएस स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के बीच बेहतर स्वच्छता और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के माध्यम से स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ाने के लिए एक सहयोगी प्रयास है। प्रारंभ में ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया था, इसे 2019 में शहरी क्षेत्रों में भी विस्तारित किया गया है।

भारतीय जन स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस): संशोधित 2022 आईपीएचएस में सेवा प्रदायगी से संबंधित विभिन्न घटक, अर्थात् बुनियादी ढाँचे की आवश्यकताएँ, मानव संसाधन मानदंड और क्षमता निर्माण, औषधियां, निदान और उपकरण, प्रशासनिक और सहायक सेवाएँ, गुणवत्ता आश्वासन और सुधार, निगरानी और संबंधित सरकारी मुद्दे शामिल हैं।

*****

दिनांक 02.08.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2028 के भाग (क) से (च) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक:

अनुलग्नक

उपलब्ध आईसीयू बेड और वेंटिलेटर का विवरण:

अस्पताल	**आईसीयू बेड**	**वेंटिलेटर्स**
सफदरजंग अस्पताल	269	400
डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल	139	270
लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं इससे सम्बद्ध अस्पताल	106	233